(x) : Need to check the sale of adulterated petrol in the country.

श्री पारसनाथ यादव (जौनपुर) : अध्यक्ष महोदय, देश में अनेक पेट्रोल पम्पों पर नेप्था व सालवेंट आयल मिलाकर पेट्रोल बेचा जा रहा है, जिस कारण वाहनों की उम्र घटती जा रही है। कार का इंजन 1 लाख किलोमीटर चलने के बाद खुलना चाहिए, परन्तु मिलावटी पेट्रोल के कारण उसे 20 से 30 हजार किलोमीटर पर ही खुलवाना पड़ता है। दोपहिया वाहन का इंजन 1 लाख किलोमीटर चलने के बाद खुलना चाहिए परन्तु उसे 5 से 10 हजार किलोमीटर चलने के बाद खुलवाना पड़ रहा है। यदि चार पहिया वाहन का इंजन निर्धारित सीमा से पहले खुलता है तो उसे पुनः ठीक कराने में 20 से 35 हजार एवं दो पहिया वाहन को पुनः ठीक कराने में 3 से 5 हजार का खर्चा आता है। हालत यह हो गयी कि वाहनों की जितनी शिकायतें आती हैं, उसमें से अधिकांश मिलावटी पेट्रोल से होने वाली खराबी से होती है। दरअसल पेट्रोल का मूल्य जहां 40 रूपये प्रति लीटर है, वहीं नेप्था व सालवेंट आयल का मूल्य मात्र 17 से 19 रूपए लीटर है। इसलिए पेट्रोल पम्प संचालक मिलावटी पेट्रोल बेचकर मोटा मुनाफ कमा रहे हैं।

देहात क्षेत्र में तो शहर से कहीं बद्तर स्थिति है। इंजन को सुचारू रूप से चलाने के लिए जो लुब्रिकेंट (मोबिल ऑयल) डालते हैं, मिलावटी पेट्रोल से उसकी गुणवत्ता खत्म हो जाती है। इससे वाहन स्वामियों को जहां आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, वहीं उनके वाहन की ओरिजीनैलिटी ही समाप्त हो जाती है।

अतः केन्द्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि वाहनों की घटती उम्र एवं वाहन स्वामियों को हो रहे आर्थिक नुकसान को देखते हुए पेट्रोल में होने वाली मिलावट को रोकने हेतु तत्काल कदम उठाये।